श्रीजी गरबा महोत्सव का दूसरा दिन

राजस्थानी परिधान में जमकर थिरके बच्चे और बड़े

ढोलिडा की धुन सहित फिल्मी गानों में थिरके पांव

महोत्सव के दूसरे दिन बच्चों सहित बड़ों के पांव रंग-बिरंगे परिधानों में डांडिया संग गरबा करते हुए नजर आए. दोहरे गोले की संरचना में गरबा की अनोखी छवि ने सभी का ध्यान अपनी तरफ आकर्षित कर लिया.

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 24 सितंबर. श्रीजी गरबा महोत्सव के दूसरे दिन राजस्थानी परिधानों से प्रतिभागियों ने चार चांद लगा दिए. बुधवार की शाम अशोका गार्डन के दशहरा मैदान की चमक बढ़ गई. महिलाएं घाघरा चोली और पुरुष साफा पगड़ी और धोती कुर्ता में अलग ही नजर आए. गरबा महोत्सव के दूसरे दिन जयकारा शेरावाली की बोलो सच्चे दरबार की जय के साथ गरबा का शुभारंभ हुआ.

जिसमें विभूति और वैष्णवी ने मिलकर कार्यक्रम का संचालन किया, जिससे प्रतिभागियों और दर्शकों में जोश और उत्सुकता का संचार लगातार बना रहा. पारिवारिक दृष्टि से आयोजित इस गरबा महोत्सव में भोपाल के अलग-अलग हिस्सों से लोग अपने परिवार संग गरबा का आनंद लेने को आ रहे हैं. कार्यक्रम का आयोजन आशीष मेहता द्वारा किया गया है. यह गरबा महोत्सव 28 सितंबर तक अशोक गार्डन स्थित दशहरा मैदान में मनाया जाएगा, जिसमें नवभारत मीडिया सहयोगी है.

बच्चों के साथ ले रहीं गरबा का आनंद

किरण दोहरे अपने दो बच्चों सुनहरी और पीहू के साथ गरबा के इस कार्यक्रम में बड़े ही उत्सुकता से आई. उन्होंने कहा कि यहां की तैयारी इतनी अच्छी लगी कि वह पूरे पांचों दिन डांडिया खेलने आएंगी. किरण के अलावा कई महिलाएं भी अपने बच्चों के साथ दशहरा मैदान पहुंची थीं और जमकर गरबा किया.

धार्मिक कार्यक्रम की दृष्टि से गरबा महोत्सव का आयोजन किया गया है. जिससे भक्तगण अपनी श्रद्धा से अपने परिवार संग गरबा का आनंद ले सकें. और महोत्सव के जरिए ढेर सारी यादों को इकट्ठा करें.

– राजेश मेहता (ऑर्गनाइजर)

यह मेरा पहली बार है जब मैं गरबा खेल रही हूं. यहां पर मुझे दिन के अनुसार जो थीम रखी गई है, वह सबसे अच्छा लगा. इसीलिए मैं यहां गरबा खेलकर बहुत खुश हूं.

– जिया तिवारी, एमपी नगर

मैं लगभग 4 साल से गरबा खेल रही हूं. हर बार अभिव्यक्ति में गरबा खेलती थी. लेकिन इस बार यहां की तैयार और जोश देख के अच्छा लगा. तो यहां गरबा खेलना तय किया.

– दिव्यांका गौरी, मिनाल रेजिडेंसी

यहां तैयारी काफी अच्छी है, ज्यादा भीड़ नहीं है. सभी को गरबा खेलने के लिए पर्याप्त जगह मिल रही है. तो खेलने में मजा आ रहा है.

– सैन्य जैन, मिनाल रेजिडेंसी

मैं 12 साल की हूं. मुझे बचपन से ही गरबा खेलना अच्छा लगता है. यहां सुरक्षा अच्छी है और भीड़ भी कम है. यहां गरबा महोत्सव में एंट्री भी आराम से पास के जरिए मिल जाती है. जिससे मुझे यहां डांडिया करके बहुत खुशी मिल रही है.

– वैष्णवी कोहली, अशोका गार्डन

ट्रांसपोर्ट एरिया मंगलवारा

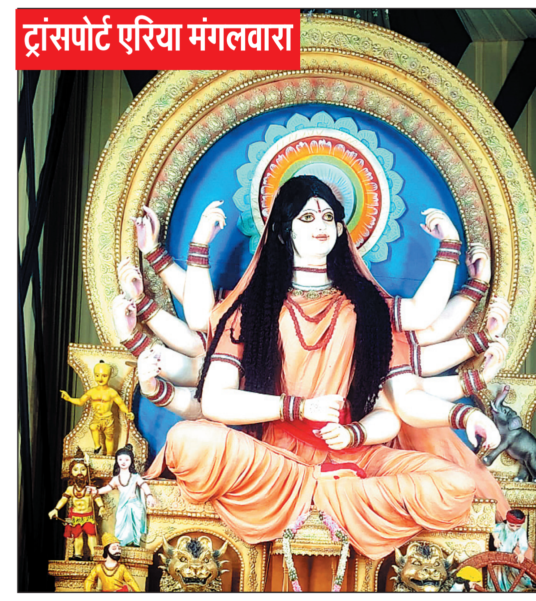

सीता मैया के रूप में विराजीं मातारानी

समिति का नाम-श्री हिंदू राज्य दुर्गा उत्सव समिति मंगलवारा
समिति का 9 वां वर्ष

अध्यक्ष- राज तल्लेवार
महामंत्री-शुभम साहू
कुल लागत 1,10,000 रुपये

मारवाड़ी रोड

शेर पर विराजी आठ भुजाओं वाली मां दुर्गा

समिति: शक्ति सेवा मंडल मारवाड़ी रोड
झांकी लागत करीब 5 लाख रुपये

अध्यक्ष- राधेश्याम सोनी
उपाध्यक्ष- शैंकी जैन
महामंत्री- विशाल सोनगरा

एक नजर में

राष्ट्रीय चैंपियनशिप के लिए एमपी की टीम रवाना

भोपाल. रांची झारखण्ड में 27 से 30 सितंबर तक आयोजित होने जा रहे 64वें राष्ट्रीय ओपन एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भाग लेने के लिए मध्यप्रदेश की टीम रवाना हुई. मध्यप्रदेश की टीम को एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के वेस्ट ज़ोन के अध्यक्ष मुमताज़ खान, मध्य प्रदेश एथलेटिक्स एसोसिएशन के सचिव अर्जुनन मुरलीधर, एमपी राव, अमित गौतम, एसके प्रसाद, संदीप सिंह ने शुभकामनाए दी. गत वर्ष इस प्रतियोगिता में मध्य प्रदेश के श्याम मिलान बिन्द, सुनील डावर, रोनाल्ड बाबू, अंशु पटेल, समरदीप गिल, अभिलाष सक्सेना, के एम दीक्षा ने अपने-अपने इवेंट में पदक जीते थे.

कबाड़ से बनाना सीखी उपयोगी सामग्री

भोपाल. क्षेत्रीय प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय, भोपाल द्वारा स्वच्छता ही सेवा के अंतर्गत बुधवार को कबाड़ से कला कार्यशालाका आयोजन किया गया. इस कार्यशाला में विभिन्न स्कूलों के 15 विद्यार्थियों ने भाग लिया. कार्यशाला के प्रारम्भ में संग्रहालय की कार्यालय अध्यक्ष डॉ. बीनिश रफ़त ने स्वच्छता के महत्व और उसकी आवश्यकता के बारे में बताया. संग्रहालय के चित्रकार नवीन कुमार और मूर्तिकार अरविन्द अनुपम के मार्गदर्शन में सभी विद्यार्थियों ने विभिन्न अनुपयोगी सामग्रियों जैसे सूखी घास, थर्माकोल, नारियल का बाहरी आवरण, प्लास्टिक पाईप, स्ट्रा, पानी की खाली बॉटल, रद्दी समाचार पत्र, गत्ता, पेड़ों की सूखी पत्तियों, टहनियों, आदि की सहायता से रेत घड़ी, जिराफ़, तितली, फोटो फ्रेम, कछुआ, डलिया, टेबल लैंप, कच्चा मकान, फूलदान, पेन पेंसिल स्टैंड, विभिन्न प्रकार के फूल, सजावटी सामग्री आदि बनाए.

मैनिट के 14 प्रोफेसर वर्ल्ड के टॉप 2% वैज्ञानिकों में शामिल

स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी की रिपोर्ट

भोपाल, 24 सितंबर. मौलाना आजाद नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (मैनिट) के 14 प्रोफेसरों को स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी द्वारा जारी वर्ल्ड टॉप 2% साइंटिस्ट्स की सूची में शामिल किया गया है. यह सूची स्कोपस डेटाबेस के आधार पर रिसर्च प्रकाशनों के प्रभाव, सिटेशन इंडिकेटर और ग्लोबल योगदान को ध्यान में रखकर तैयार की जाती है.

मैनिट के निदेशक प्रो. करुणेश कुमार शुक्ला ने कहा है कि यह उपलब्धि वैश्विक चुनौतियों को शोध और नवाचार के माध्यम से हल करने की हमारी प्रतिबद्धता को भी दर्शाती है. उन्होंने कहा है कि यह हमारे संस्थान के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है. स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी जैसी प्रतिष्ठित संस्था द्वारा हमारे 14 फैकल्टी मेंबर्स का चयन हमारे यहां की उत्कृष्ट शोध संस्कृति और अकादमिक उत्कृष्टता का प्रमाण है.शुक्ला ने कहा है कि यह उपलब्धि न केवल फैकल्टी की व्यक्तिगत उपलब्धि को मान्यता देती है, बल्कि मैनिट को देश के अग्रणी तकनीकी संस्थानों की श्रेणी में और मजबूत स्थान दिलाती है। प्रोफेसरों ने अपने शोध से न केवल भारत में बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी योगदान दिया है.

17 सिंगर्स ने सुनाए 34 सदाबहार नग़मे

भोपाल, 24 सितंबर. चैरिटी ग्रुप मधुबन द्वारा आयोजित राज्यमंत्री कृष्णा गौर के मुख्य आतिथ्य में खचाखच भरे रवींद्र भवन के अंजनी सभागृह में मेलोडीज़ ऑफ बॉलीवुड की शानदार शाम सदैव यादगार रहेगी. इसमें 17 गायक और गायिकाओं ने 34 फ़िल्मी गीत प्रस्तुत किए.

इस अवसर पर विशेष अतिथि सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी राजेश मिश्रा, वरिष्ठ पत्रकार पंकज पाठक, डॉ हरिओम जटिया, रवीन्द्र भवन की प्रबंधक एवं सिंगर मधु चौधरी, अश्विना रांगणेकर उपस्थित थे. समाज सेवी संस्था हमारा मधुबन मानव सेवा एक संकल्प की अध्यक्ष सारिका सप्रे एवं कार्यक्रम के सह-आयोजक एड. प्रदीप शर्मा, सिद्धांता सोलर सॉल्यूशन्स के प्रमुख सिद्धांत शर्मा द्वारा आयोजित किया. गीतों का प्रारंभ युवा कलाकार रिद्धिक सप्रे के गीत पापा कहते हैं बड़ा नाम करेगा से किया गया. संजय सप्रे - रश्मिका जुगादे ने छेड़ो न मेरी जुल्फ़ें गीत की प्रस्तुति दी.

छात्राओं ने जानीं वृद्धों की समस्याएं

भोपाल. सरोजिनी नायडू शासकीय कन्या महाविद्यालय की छात्राएं आनंदधाम वृद्धाश्रम पहुंचीं और वृद्धजनों की समस्याओं को सुना और मानसिक स्वास्थ्य के लिए उपाय सुझाए.

राष्ट्रकवि दिनकर आज भी प्रासंगिक : अनुराधा शंकर

दिनकर जयंती समारोह

भोपाल, 24 सितंबर. राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर हिन्दी साहित्य गगन के सूर्य थे जिनके आलोक से आज भी साहित्य जगत आलोकित हो रहा है. उनकी रचनायें आज भी प्रासंगिक हैं तथा हम सब के लिये प्रेरणा स्त्रोत हैं.

यह विचार पूर्व पुलिस महानिदेशक अनुराधा शंकर ने गत दिवस दुष्यंत संग्रहालय सभागार में बिहार फाउंडेशन के तत्वावधान में आयोजित दिनकर जयंती समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए व्यक्त किये. इस अवसर पर सप्रे संग्रहालय के संस्थापक पद्मश्री विजयदत्त श्रीधर, सिद्धहस्त लेखक और व्यंग्यकार प्रियदर्शी खैरा, प्रशासन अकादमी के पूर्व अधिकारी एच.एम. मिश्र सारस्वत, वक्ता संजय कुमार, बिहार फाउंडेशन के पदाधिकारी, पत्रकार तथा नागरिकगण उपस्थित थे. अनुराधा शंकर ने कहा कि आने वाली पीढ़ी से अपेक्षा कि है वे अपनी मातृभूमि व मातृभाषा को सदैव स्मरण रखें. प्रारंभ में उन्होंने दीप प्रज्वलित कर तथा मां सरस्वती की प्रतिमा व दिनकर जी के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरूआत की. समारोह को पद्मश्री विजयदत्त श्रीधर, प्रसिद्ध व्यंग्यकार प्रियदर्शी खैरा, बिहार फाउंडेशन के चेयरमैन आर.एम.पी सिंह ने भी संबोधित किया. सारस्वत वक्ता संजय कुमार ने कहा कि संस्कृति के चार अध्याय प्रत्येक भारतीय को पढ़ना चाहिए.

उन्होंने दिनकर जी की कई रचनाओं का उल्लेख किया और कहा कि बाढ़ ग्रस्त क्षेत्र में रहते हुए दिनकर जी अपनी मेघा के बल पर हिन्दी जगत के सूर्य बने.

भेल ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों को दी विदाई

बीएचईएल संवाददाता

भोपाल, 24 सितंबर. भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल), भोपाल में प्रशासनिक भवन में एक सादे समारोह का आयोजन कर सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों को विदाई दी गई.

इस अवसर पर प्रचार एवं जनसंपर्क विभाग के महाप्रबंधक विनोदानंद झा, आठ पर्यवेक्षक और एक कर्मचारी सेवानिवृत्त हुए. बीएचईएल भोपाल के महाप्रबंधक एवं संयंत्र प्रमुख प्रदीप कुमार उपाध्याय ने उनके समर्पण और सेवाओं की सराहना करते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं. अपने उद्बोधन में उन्होंने सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों से जीवन की दूसरी पारी को सार्थक बनाने, उसे पूरी तरह आनंदपूर्वक जीने और स्वस्थ रहने पर विशेष ध्यान देने का आग्रह किया. इस अवसर पर महाप्रबंधक (मानव संसाधन) टी.यू. सिंह सहित सभी महाप्रबंधक उपस्थित रहे.

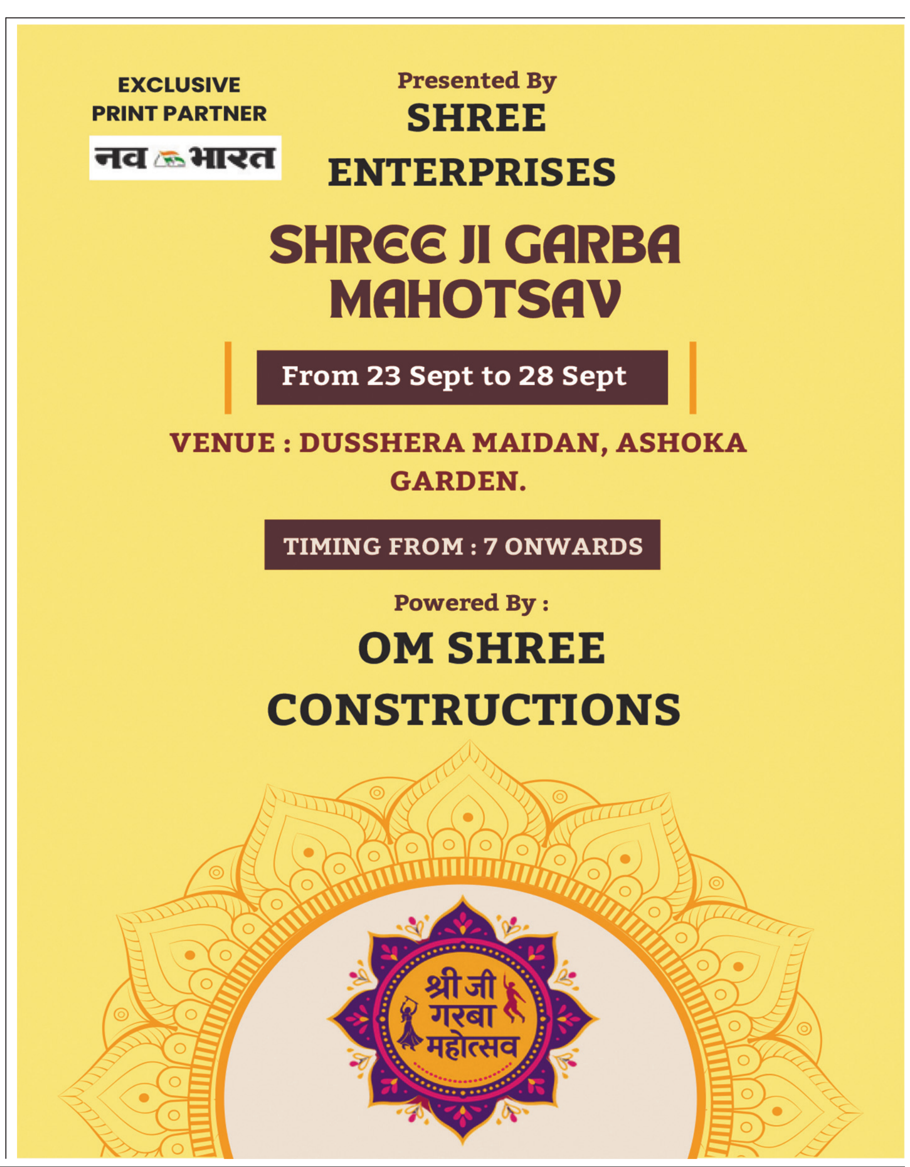

मानक मंथन

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय में राजभाषा पखवाड़ा का समापन

हिंदी में उच्चारण, लेखन दोनों की शुद्धता जरूरी : प्रो . जैन

भोपाल, 24 सितंबर. बरकतउल्ला विश्वविद्यालय (बीयू) के तुलनात्मक भाषा एवं संस्कृति विभाग द्वारा बुधवार को राजभाषा पखवाड़ा का समापन समारोह आयोजित किया. इस अवसर पर देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर के कुलगुरु प्रो. राकेश सिंघई मुख्य अतिथि रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता बीयू के कुलगुरु प्रो. एसके जैन ने की. समापन सत्र में पखवाड़े के अंतर्गत आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया.

भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा आयोजित 'मानक मंथन' कार्यक्रम में प्रो. सिंघई ने कहा कि भारत की आजादी के शुरुआती वर्षों में ही हिंदी भाषा के मानक तय हो जाने चाहिए थे. उन्होंने कहा कि हिंदी भाषी लोग भी मात्रा और बिंदु में अशुद्धियां करते हैं, जो खेदजनक है. मातृभाषा हिंदी को लेकर मजाक उड़ाना अनुचित है और इसका विरोध होना चाहिए. उन्होंने भाषा में एकरूपता लाने की आवश्यकता बताते हुए कहा कि 'शासकीय' और 'राज्यकीय' जैसे अलग-अलग शब्द भ्रम पैदा करते हैं.

बीयू के कुलगुरु प्रो. जैन ने कहा कि हमें भाषा के प्रति लापरवाही छोड़नी होगी. हिंदी में उच्चारण और लेखन दोनों की शुद्धता जरूरी है. कठिन और क्लिष्ट शब्दों को सरल व सुगम बनाने की दिशा में काम होना चाहिए, तभी भाषा जनसामान्य तक सहजता से पहुंचेगी. आईसीएसएएल के प्रो. वी.आर. जगन्नाथन ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया. इस दौरान डॉ. अच्छेलाल,प्रो. पवन मिश्रा, प्रो. भूपेंद्र सिंह, डॉ. अंशुजा तिवारी मौजूद रहे.

मानव संग्रहालय में हुई वीडियो प्रस्तुति प्रतियोगिता

भोपाल, 24 सितम्बर. इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, भोपाल में हिंदी पखवाड़ा के अंतर्गत संविधान में हिंदी को राजभाषा का दर्जा दिलाने वाले नायकों का परिचय एवं भूमिका विषय पर आयोजित वीडियो प्रस्तुति प्रतियोगिता की प्रस्तुतियों का मूल्यांकन एवं निर्णय कार्यक्रम बुधवार शाम 4 बजे शैलकला सभागार में हुआ. निर्णायक के रूप में उपस्थित वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. लता अग्रवाल ने कहा कि कई संस्थानों में हिंदी का स्मरण केवल हिंदी पखवाड़े तक ही सीमित रहता है, किंतु मानव संग्रहालय में हिंदी का प्रयोग व्यवहार में निरंतर होता है, जो प्रशंसनीय है.